as has been pointed out by the Prime Minister? Secondly, it appears from the reply of the hon. Deputy Minister that there is *prima facie* strong case for not going ahead with the project in view of the fact that there are other levers available from which you can generate electricity and sufficient.....

MR. CHAIRMAN: You have not heard that this is being investigated whether there is any other alternative source of generation of electricity.

Reported racket of bogus Educational Certificates

@*422. SHRI RAMCHANDRA BHARADWAJ:†
SHRI B. SATYANARAYAN REDDY:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item which appeared in the Hindustan Times of the 6th August, 1983 to the effect that the Crime Branch of the CID has unearthed in Delhi a very well organised racket of issuing bogus educational certificates of the Central Board of Secondary Education;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether it is a fact that a huge stock of certificate forms provisional certificates, school leaving certificates and blank sheets, purported to have been issued by the Board of Secondary Education. Delhi, have been recovered;

(d) whether it is also a fact that two persons, including a Delhi University student, have been arrested in this connection; and

(e) if reply to part (c) and (d) above be in affirmative, what are the details thereof?

@ Previously Starred Question 362 transferred from the 19th August, 1983.

†The question was actually asked on for floor of the House by Shri Ramachandra Bharadwaj

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIAH): (a) Yes, Sir.

(b) to (e) On a complaint made to the Crime Branch of Delhi Police about the issue of bogus certificates one Vishnu Dutt Sharma of Tilak Bazar, who is a student of Ramjas College, was arrested. The house of another person, Tej Kiran Jain, in Ragharpura, Karol Bagh, was searched thereafter, which led to the recovery of large number of bogus School leaving certificates marks statement forms, stamps of different schools etc. Shri Tej Kiran Jain was also arrested.

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : मान्यवर, दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी इस सिलसिले में हुई है और यह दावा किया है पुलिस ने कि इस गिरोह को समाप्त कर दिया गया है । क्या इतना बड़ा रैकेट एक 21 वर्षीय युवक और एक 53 वर्षीय वृद्ध दो ही व्यक्ति चला रहे थे ? श्री तेज किरण जैन के घर से जो जाली कागजात बरामद हुए हैं, उन्होंने जिस प्रैस का नाम लिया है, सब्जी मंडी में इस तरह के जाली कागज छपते थे, क्या उस प्रैस पर भी कोई रैड किया गया है, उस प्रैस पर भी छापा मारा गया है और अगर मारा गया है तो क्या नतीजा निकला हैं ?

SHRI P. VENKATASUBBAIAH: Sir, according to the complaint made by the person, only two people are involved. First one, Shri Sharma, has been arrested on a complaint made by one Shri Balvinder. Also during the course of the investigation, another person, Shri Kiran's house was searched and some bogus certificates have been recovered. So far as sealing of the press and the other matter which the hon. Member has mentioned are concerned, investigation is going on.

श्री रामेश्वर सिंह : **

श्री सभापति : आप अपने वक्त पर सवाल पूछिये । जो कुछ आप कहेंगे लिखा नहीं जाएगा ।

श्री रामेश्वर सिंह : **

MR. CHAIRMAN: Just a minute.... Whatever Mr. Rameshwar Singh has said will not be recorded. You cannot interrupt another hon. Member....That is all right. I have ruled and ruled very firmly.

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : मान्यवर, रैंगड़पुरा पहले से भी अपराध का एक अड्डा रहा हैं । मैंने गृह मंत्री जी का पहले भी इस ओर ध्यान आकृष्ट किया हैं । मैंने शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय का भी ध्यान आकृष्ट किया था कि वहां शादी के नाम पर ब्यूरो चलता है और जब भी आप गाड़ी से जायेंगे तो आप देखेंगे कि रेल पटरी के किनारे किनारे लिखा हुआ है रिश्ते ही रिश्ते, ज़रा आ तो जाओ, प्रोफेसर अरोड़ा, रैंगड़पुरा ।

श्री सभापति : आपको इत्मीनान हो जाना चाहिए इससे । आप जाकर सर्टिफिकेट ले आये वहां से ।

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : मान्यवर, इस सदन के समक्ष मैंने यह कहा है कि यह अंतर्राष्ट्रीय कारोबार हो गया है दहेज का और ये बड़ी बड़ी शादियां करते हैं प्रोफेसर साहिब । पहले उनके यहां पूछा जाता है कि शादी आप कितने की करेंगें ? तो मेरा निवेदन यह है कि जो इतना बड़ा कारखाना चल रहा है अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, क्या यह उसकी कोई ऐन्सिलयरी तो नहीं है क्योंकि अब शादी कराने के लिए शैक्षणिक प्रमाण पत्र भी चाहिए कि लड़की की योग्यता क्या हैं, लड़के की योग्यता क्या है । तीन हज़ार में यह प्रमाणपत्र दे रहे हैं । इसी वजह से इतना बड़ा कारखाना चल रहा है । मैं समझता हूं कि यह अंतर्राष्ट्रीय रैकेट है और उसी का यह एक हिस्सा है । माननीय मंत्री जी इस पर प्रकाश डालेंगे ?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : श्रीमन्, सवाल सिर्फ बोगस सर्टिफिकेट देने का है । जहां तक प्रोफेसर अरोड़ा की शादी के विज्ञापनों का ताल्लुक है यहां से ट्रेन्स में जाते हुए दोनों तरफ़ दीवारों पर ये विज्ञापन देखने को मिलते हैं, इसमें कोई शक नहीं है । लेकिन इस संबंध में यदि माननीय सदस्य कुछ दूसरा सवाल प्रस्तुत करेंगे तो मैं उसकी पूरी जानकारी लेकर प्रस्तुत करूंगा ।

श्री रामचन्द्र भारद्वाज : तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि यह जो रैकेट हैं, इतने सारे जाली प्रमाण-पत्र बरामद हुए हैं, इतने सारे मार्कशीट के काउंटर-फॉयल बरामद हुए हैं वे सब दो ही व्यक्तियों के इस्तेमाल के लिए हुए ? दो ही व्यक्ति सारे हिन्दुस्तान में बेच रहे हैं क्या ? इसको ही मानकर हमारे गृह मंत्री जी चल रहे हैं कि इसके आगे अपराध की सीमा समाप्त हो जाती है क्योंकि दूसरी शाखा के लिये कहते हैं कि यह दूसरा काम है ?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : यह जो कम्पलेन्ट की थी उस कम्पलेन्ट के आधार पर यह हुआ हैं । लेकिन जहां तक इस प्रकार की शिकायतों का ताल्लुक हैं, 1980–81, 82 में इस प्रकार की कोई शिकायत नहीं आई लेकिन इस वर्ष में 8 इस प्रकार की शिकायत आई हैं और आठ मामले इस प्रकार के पुलिस में दर्ज हुए हैं । इसमें से दो-तीन मामले पंजाब के हैं ये मामले पंजाब में ट्रांसफर

*Not recorded

कर दिये गये हैं और बाकी के केस यहां चल रहे हैं।

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : सबसे पहले मैं रामेश्वर सिंह जी से प्रार्थना करूंगा कि मैं जब सवाल करूं तो मेहरबानी करके मुझे डिस्टर्ब न करें। मैं सब कुछ ठीक तरीके से पूछ लूंगा और अगर कुछ बच गया तो उनको भी जब मौका मिलेगा तो वह भी पूछ सकते हैं।

मंत्री महोदय ने बताया कि इस किस्म के वाकयात —बोगस सर्टीफिकेट्स का सवाल—1981, 82 के पहले नहीं आया। इसका मतलब यह हुआ कि यह जो रैकेट हैं, बोगस सर्टीफिकेट वगैरह इश्यू करने का, यह सिलसिला जारी हुआ 1983 से। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि ये जो दिल्ली में पकड़े गये हैं और जिनके बारे में आपके इल्म में आया है यह जो अखबार में भी छपा हैं, जो बात आपने कही है यह सब "हिन्दुस्तान टाइम्स" में छपे चुकी हैं। 6 अगस्त, के हिन्दुस्तान टाइम्स के अंदर तफसील से बताया गया है कि कहां-कहां के प्रिंटिंग प्रेस हैं, कहां-कहां क्या हैं। आपने कोई नई चीज नहीं बताई। जो अखबार में छपा है उसी आधार पर हमने सवालात अकये थे। जो अखबार में तफसील में कािया उससे ज्यादा आप बता नहीं सके हैं। मैं आपसे यह जानन चाहता हूं जो प्रिंटिंग प्रेस है चांदनी चौ में या दिल्ली के किसी हिस्से में, वह प्रिंटिंग प्रेस किन की चलाई हुइ हैं और प्रिंटिंग प्रेस की इजाजत उनको कब मिली? दूसरी बात यह हैं कि क्या आपने उसको जब्त किया है? तीसरे यह कि कितने किस्म के डाकुमेंट्स हैं, न केवल एजुकेशनल सर्टीफिकेट्स बल्कि उनमें सरकारी सर्टीफिकेट्स भी हो सकते हैं, सरकारी दफ्तर के कागजात भी हो सकते हैं, ऐसा कोई आपके इल्म में है कि प्रिंटिंग प्रेस किस की हैं, किसकी चलाई हुई है और उस पर आपने क्या एक्शन लिया हैं?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : मर. मेरे साथी वैंकटसुब्बैया ने बताया कि यह मामला पिछले महीने का है और इस समय यह इन्वेस्टीगेशन में है। इसकी छानबीन की जा रही हैं और मैं माननीव सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसमें चाहें कोई भी इन्वाल्व्ड हो, शरीक हो उनके खिलाफ जरूर कार्रवाई की जाये गी—चाहे कोई प्रिंटिग प्रेस हो वा नहीं। प्रिंटिंग प्रेस के चलाने का जहां तक ताल्लुक हैं इसके चलाने की इजाजत का संबंध हमारे से नहीं आता।

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी।

श्री सभापति : आपका हो गया है। आप दूसरे नम्बर पर हैं।

SHRI SURESH KALMADI: Sir, he is not satisfied with the reply.

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी: मेरा एक सप्लीमेंटरी और होना चहिये। (व्यवधान) आप इस सवाल को बहुत आसानी के साथ ले रहे हैं। आपने कहा कि इन्वेस्टीगेशन शुरू कर दिया हैं। यह हाल की बात नहीं है। यह बड़े पैमाने पर चल रहा है। इवेस्टीगेशन आप किस ढंग से चला रहे हैं समझ में नहीं आया। क्या आपके इल्म में यह पहले नहीं आया था? इस प्रकार के मामले पहले भी आ चुके है लेकिन आपने कोई एक्शन नहीं लिया। अब इतने दिनों के बाद आपने कार्यवाही शुरू की हैं। आपने यह कार्यवाही पहल क्यों नहीं शुरू की? क्यों नहीं आपने पहले से इन्वेस्टीगेशन शुरू किय अब आप इन्वेस्टीगेशन शुरू कर रहे हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस किस्म की चीजे सिर्फ दिल्ली में ही नहीं हैं सारे देश में इस किस्म के रैकेट्स हैं। हर स्टेट में इस तरह की

चीजें हो रही हैं। इसलिए मैं यह जानना चाहता हूं कि कौन-कौन सी स्टेट्स ऐसी हैं जहां पर इस स्किम के वाकयात सामने आए हैं और वे वाकयात कौन से हैं, क्या-क्या हैं?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : श्रीमन्, ये फोर्जरी के मामले हैं जो स्टेटों में चलते हैं। उनकी छानबीन स्टेट गवर्नमेंट्स करती हैं। यह सवाल खास तौर पर दिल्ली के बारे में है। जैसा कि मैंने बताया कि दिल्ली में जुलाई में यह मामला सामने आया और गिरफ्तारियां हुईं। छानबीन जारी है। इसके अलावा जितने भी मामले आए हैं उनको दर्ज किया गया हैं और उन पर बराबर कार्यवाही की जा रही है।

श्री बी० सत्यनारायण रेड्डी : वे कौन-से मामले हैं? आप उनकी तफसील क्यों नही बताते हैं।

श्री सभापति : जवाब मिल गया हैं।

DR. RAFIQ ZAKARIA: Mr. Chairman, Sir, what has happened in Delhi is typical of what is happening in many other centres. There is a whole racket that is going on not only as far as the bogus certificates are concerned which have been mentioned in the question but also, Sir, examination papers have been actually sold in the bazar at a particular price. Sir, last year in Bombay several such instances were brought to the notice of the State Government there. Therefore, Sir, this has become a serious matter as far as the students community is concerned, and I would like to know from the Home Minister whether he would consider establishing some kind of a special cell to check this kind of rackets which are increasing everywhere and which are devaluing merit to such an extent that the meritorious students have lost all confidence as far as our whole system is concerned and whether some kind of a more serious approach in this matter than the ordinary investigations that are being made will be considered by the Government.

SHRI P. C. SETHI: As far as Delhi is concerned, we would certainly consider setting up a special cell for such matters. But as far as the State Governments are concerned, we would only draw their attention towards this menace so that they can also take appropriate action at their end.

श्री जे० के० जैन : सभापति महोदय जिस तरह से जाली करेंसी और ब्लैक मनी देश की अर्थ व्यवस्था को कमजोर कर रही है उसी प्रकार से यह जो जाली सर्टिफिकेट के मामले हैं ये देश की प्रशासनिक व्यवस्था पर घुन की तरह से लग जाएंगे। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि जो व्यक्ति इन जाली सर्टिफिकेट्स को छापते हैं और जो व्यक्ति उन जाली सर्टिफिकेट्स का इस्तेमाल करते हैं, क्या उनके खिलाफ भी सरकार उतने ही कड़े दण्ड का उपयोग करती है जितने कड़े दण्ड का उपयोग छापने वालों के खिलाफ किया जाता है? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि जो लोग जाली सर्टिफिकेट्स का इस्तेमाल करते हैं उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है और कितने लोग इस तरह से पकड़ में आए हैं? क्या आप उनकी जानकारी देने की कृपा करेंगे?

श्री प्रकाश चन्द्र सेठी : श्रीमन, जिन लोगों ने इनका स्तेमाल किया है उनके खिलाफ मामले दर्ज किये जाते हैं। लेकिन इस समय मेरे पास कितने लोगों के खिलाफ इस सम्बन्ध में कार्यवाही की गई है इसकी फीगर्स नहीं हैं, आंकड़े नहीं हैं।

श्रीमती मैमूना सुल्तान : श्रीमन् बोगस सर्टिफिकेट्स के बारे में, जिसका सम्बन्ध एजूकेशन से है, काफी सवाल हो चुके हैं। इसमें जो नुकसान पहुंचता है वह यकीनन औरतों और लड़कियों को पहुंचता है।

श्री सभापति : वे तो अव्वल आ रही हैं।

श्रीमती मैमूना सुल्तान : मुझे यकीन है कि रैकेट्स चलाने वाल ज्यादातर मर्द होते हैं। मर्द का प्लूरल शायद मरदूद होता

है। चेयरमैन साहब, मुझे बोलने में महारत हासिल नहीं है। मैं मर्द के प्लूरल को छोड़कर औरत और मर्द का लफ्ज ही इस्तेमाल करुगी। इस तरह के रैकेट्स से औरतों और लड़कियों की तालीम पर असर पड़ता है और उनके पिछड़ेपन में इससे इजाफा होता है। मैं यही गुजारिश करना चाहती हूं जो गुजारिश दूसरे मेम्बरान ने की है ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। मैं यह भी गुजारिश करूंगी कि जितने भी ऐसे एण्टी-सोशल लोग हैं उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। इस बारे में जो लॉ है, जो माइनर ओफेंण्डर्स हैं... (**व्यवधान**)।

श्री सभापति : आप तो एक दम पेनल कोड लेकर बैठ गई हैं।

श्रीमती मैमूना सुलतान : मैं सिर्फ यह चाहती हूं कि इसमें अमेन्डट कर दें। अभी जो कानून है वे इतने कमजोर हैं कि वे यहां लोगों की हिफाजत नही कर सकते।

श्री सभापति : सवाल पूछिये। सवाल किया ही नहीं। उधर देखें। उधर बड़े जोरदार लोग बैठे है। मिस्टर रामेश्वर सिंह जरा संभल के।

श्री रामेश्वर सिंह : सभापति जी यहां जालसाजी पर चर्चा हो रही है, किस प्रकार से देश में जालसाजी चल रही है...

श्री सभापति : खाली स्कूल सार्टिफिकेट्स की।

श्री रामेश्वर सिंह : स्कूल सर्टिफिकेटस की है। लेकिन स्कूलों के अलावा अभी जैन साहब ने दो-तीन बातों का जिक्र किया मैं उन बातों का जिक्र नहीं करूंगा। उन्होने बात खुद कह दी कि इस देश में बहुत बड़े पैमाने पर जालसाजी चल रही है और जालसाजी यहां हो रही है। इस संबंध में आपके सामने रोज मामले आ रहे है। गाय की चर्बी सुअर की चर्बी..

श्री सभापति : आप अपनी चर्म जुबानी से बचते ही नहीं।

श्री रामेश्वर सिंह : मैं असली सवाल पर आ रहा हूं। सभापति जी क्या सरकार देश को इस बात की गारंटी देगी क्योंकि सदन जो है यह सुप्रीम है, यह सुप्रीम अदालत है इस अदालत में जनता के हकों की गारंटी क्या सरकार देती है? क्या सरकार जनता को यह यह गारंटी देती है कि जितनी भी जालसाजी हो रही है उस जालसाजी में चाहे जितने बड़े लोग क्यों न शामिल हो, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी सभापति जी अभी जो भारद्वाज जी ने सवाल पूछा है..

श्री सभापति : आप अपना सवाल पूछिये।

श्री रामेश्वर सिंह : मैं सवाल पूछ रहा हूं। मैं अपनी बात कहता हूं नम्बर एक कि आपने प्रेस पर छापा क्यों नहीं मारा और नम्बर दो कि छापा न मारने का क्या कारण था?

श्री सभापति : जवाब तो ले लें कि छापा मारा या नहीं मारा।

श्री रामेश्वर सिंह : छापा क्यों नहीं मारा इसका कारण क्या था? दो बातें इसमें है। एक तो यह कि कोई प्रभावशाली आदमी प्रैस...

श्री सभापति : अगर प्रैस का नाम मालूम न हो तो फिर कैसे छापा मारेगे?

श्री रामेश्वर सिंह : इनको मालूम है।

श्री सभापति : आपको मालूम है तो बतलाइये नाम।

श्री रामेश्वर सिंह : हम बता दें।

श्री सभापति : बता दें।

श्री रामेश्वर सिंह : सभापति महोदय हमारी मदद आप कर दें।

श्री सभापति : मालूम नहीं कहां ले जायेंगे आप ?

श्री रामेश्वर सिंह : मैं बहुत कमजोर आदमी हूं। सभापति जी, हमारे जैसे कमजोर आदमी को आपके संरक्षण की जरुरत है। मैं सरकार से गारंटी चाहता हूं कि सरकार मिलावाट खोरों जालसाजी करने वालों के खिलाफ इसमें चाहे आफिसर शामिल है, मंत्री शामिल हैं, एम० पी० शामिल है, क्या उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करेंगे ? मैं मंत्री महोदय से जानना चहता हूं कि अभी तक आपने कितने लोगों के खिलाफ कार्यवाही की है ?

श्री सभापति : खत्म हुआ किस्सा।

SHRI P. C. SETHI: Sir, it is an omnibus question which the hon. Member has put. As far as....

श्री सभापति : अमिनेबस जवाब दे दीजिये सब के खिलाफ चल रहा हैं।

SHRI P. C. SETHI: As far as the press is concerned, it was raided. Now I have received this information. But no incriminating material or blocks were found in this press. (*Interruptions*) However. further enquiries in this connection are being made. As far as another case of forgery is concerned, whenever such things are brought to the concerned ...

MR. CHAIRMAN: They are not part of this question. Now, Mr. Varadaraj. He is a new Member.

SHRI G. VARADARAJ: The question is about penalising the printing press, or what action is being taken against it. The hon. Minister has already answered that some action is being taken against the printing press and against the people giving these bogus certificates. Now I would like to know in which discipline these certificates have been issued, whether they pertain to the technical side or they pertain to the arts and science side. And why do the students indulge in such things? Why do the students opt for such certificates? Is it because education has become very costly, or is it because they are not able to get proper admissions elsewhere?

SHRI P. C. SETHI: Sir, as far as the certificates are concerned, they are of two types: one is with regard to the Higher Secondary Education of the Central Board and secondly, character certificates and mark-sheets. As far as the cost of education is concerned.....

MR. CHAIRMAN: That does not fit in. Next question.

*423 [*The questioner (Shri Ashwani Kumar) was absent.* For answer vide *col.* 31-32 *infra*]

Projects under ETTDC

*424. SHRI SUKOMAL SEN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that about thirty four technical projects have been foreclosed without any results being achieved or suitable products developed by the Electronics Trade and Technology Development Corporation;

(b) whether it is also a fact that the technical failure to develop marketable products against the foreclosed projects, has resulted in a loss to the ETTDC; and

(c) what is the loss in relation to the investment made during the last five years of ETTDC?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, ATOMIC ENERGY, SPACE, ELECTRONICS AND OCEAN DEVELOPMENT (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) No, Sir. As and when development concepts are conceived in the ETTDC,